दिसंबर 2021 ₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

जनता का नायक

सिर पे लाल टोपी 46 साझेदारी का दम 36

R.N.I. No. 68832/97

देश पर जब भी चुनौती आई समाजवादी पार्टी ने हमेशा उसका मुकाबला किया। हमारी पार्टी किसान आंदोलन के दौरान उनके साथ खड़ी रही। देश के लिए सभी को एक होना पड़ेगा। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता चुनौतियों के सामने हमेशा डट कर खड़े होते हैं।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन
दिसंबर 2021
वर्ष 23 | संख्या 02

अंदर

आजम साहब से हो रहे बर्ताव पर जनता में रोष 44

08 कवर स्टोरी

जनता का नायक

विशेष 46

सिर पे लाल टोपी...

राजकपूर की फिल्म श्री 420 का एक गाना है:—मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी, सिर पे लाल टोपी रूसी फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। लगता है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लाल टोपी को देखकर भड़कने वाले नेताओं ने न तो मुकेश का गाया हुआ यह गाना सुना है और न ही टोपी का इतिहास पढ़ा है।

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग 06

अंबेडकर के संविधान को भाजपा से खतरा 04

प्रिय पाठकों,
समाजवादी बुलेटिन आपकी अपनी पत्रिका है। इसके नए और बदले कलेवर को आप सबने सराहा है। आपका यह उत्साह वर्धन हमारी ऊर्जा है। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराते रहें। इसके लिए आप हमें नीचे दिए गए ईमेल पर लिख सकते हैं। कृपया अपना पूरा नाम, पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दें। हम बुलेटिन को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेंगे। आपके संदेश की प्रतीक्षा रहेगी।
धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंबेडकर के संविधान को भाजपा से खतरा

बाबा साहेब परिनिर्वाण दिवस

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने जिस संविधान की रचना की थी और लोकतंत्र को प्रतिष्ठा दी थी, आज उस पर खतरा मंडरा रहा है। भाजपा का न तो लोकतंत्र में विश्वास है और न ही संविधान में आस्था है। भाजपा संविधान और उसमें उल्लिखित संस्थाओं को भी कमजोर करना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ अंबेडकर और डॉ लोहिया मिलकर समाज को नई दिशा देना चाहते थे। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए अंबेडकरवादियों और समाजवादियों को मिलकर सत्ता परिवर्तन कर नया भारत बनाना है। 2022 में जो विधानसभा चुनाव होंगे वे इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण और निर्णायक होंगे।

श्री अखिलेश यादव ने ये बातें 6 दिसंबर को समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ के डॉ लोहिया सभागार में बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर के 66वें परिनिर्वाण दिवस पर व्यक्त किए। उन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे विधि विशेषज्ञ के साथ अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री भी थे। दुनिया भर में बाबा साहेब का सम्मान है। उन्होंने अस्पृश्यता को अमानवीय करार देते हुए वंचित, दलित समाज का स्वाभिमान जगाने और उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी तथा शिक्षित बनाने पर बल दिया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियां जनविरोधी हैं। भाजपा की इन नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। समाज में नफरत बढ़ी और महंगाई तथा भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है। भाजपा की भाषा खराब है और उसका आचरण षड्यंत्रकारी है। आरएसएस की विचारधारा से भारत खतरे में है। भाजपा-आरएसएस दोनों आरक्षण समाप्त करने के पक्षधर हैं और मौलिक अधिकारों पर हमला करते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ अंबेडकर और डॉ लोहिया मिलकर समाज को नई दिशा देना चाहते थे। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए अंबेडकरवादियों और समाजवादियों को मिलकर सत्ता परिवर्तन कर नया भारत बनाना है

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में सार्वजनिक संपत्ति बेची जा रही हैं। चंद पूंजीपतियों के हाथों में राष्ट्रीय सम्पत्ति गिरवी रखी जा रही है। भाजपा अन्याय की प्रतीक है। किसानों के हितों के काम के बजाय खेती-किसानी को पूंजी घरानों की बंधक बनाने की साजिशें हो रही हैं।

इस अवसर पर श्री रामजी सुमन एवं श्री मिठाई लाल भारती सहित कई वक्ताओं ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकरऔर डॉ राम मनोहर लोहिया के विचारों में काफी समानता है। समाजवादी विचार से ही समानता और सम्पन्नता आएगी। समाजवादी 2022 में भाजपा को हटाने को संकल्पित है। बाबा साहेब के मिशन को श्री अखिलेश यादव ही पूरा करेंगे।

फोटो स्रोत : गूगल

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में 23 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की 119वीं जयंती सादगी के साथ मनाई गई। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने किसानों के हित में उनके द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा के साथ उनके राजनीतिक योगदान को भी याद किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित

किसान शहादत सम्मान राशि देने का वचन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने यह वचन दिया है कि किसान आंदोलन में पिछले एक वर्ष में आंदोलनरत रहते हुए जो किसान शहीद हुए हैं उनके परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सम्मान राशि समाजवादी सरकार बनने पर तत्काल प्रदान की जायेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव हमेशा किसानों के प्रति संवेदनशील रहे हैं। पिछली समाजवादी सरकार में श्री यादव ने किसान हित में अनेक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया था। किसानों की उपज का मूल्य बढ़ाने, मुफ्त सिंचाई, खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता सहित अन्नदाता के लिये सस्ती बिजली दिलाने के लिये ठोस नीतियां समाजवादी सरकार की ही देन है।

समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता श्री राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी किसानों के साथ अन्याय के खिलाफ सदैव खड़ी रहती है। खेत-खलिहान में खुशहाली लाने के लिये श्री अखिलेश यादव पूरी निष्ठा, ईमानदारी से प्रतिबद्ध हैं।

करते हुए चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलने की प्रतिबद्धता दुहराई। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब के चिंतन पर ही समाजवादी पार्टी की नीतियां बनी है। उन्होंने गांव-गरीब को प्राथमिकता में रखकर राजनीति को नई दिशा दी। कृषक प्रजातंत्र की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कृषक परिवारों को आरक्षण देने की मांग की थी। उनका कहना था कि असली भारत गांवों में रहता है, ग्रामीण क्षेत्र का उन्नयन करके ही उसे सम्पन्न बनाया जा सकता है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि चौधरी साहब को भारत रत्न दिया जाना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा ने किसानों का हर तरह से शोषण और अपमान किया है। वह कारपोरेट पोषक पार्टी है। किसानों की एकता और आक्रोश को देखते हुए ही भाजपा को तीन काले कृषि कानून वापस लेने पड़ गए। किसानों का झूठा नाटक कर वह अपने काले कारनामें छुपाना चाहती है। चौधरी साहब के नाम का दुरूपयोग किया और प्रदेश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा का किसान विरोधी आचरण चौधरी साहब के प्रति कृतज्ञता नहीं कृतघ्नता प्रदर्शित करता है। भाजपा के राज में किसानों की मौतें हुई हैं। उससे किए गए वादे नहीं निभाए गए। किसान विरोधी, जनविरोधी और लोकतंत्र विरोधी सरकार कभी चौधरी साहब का सम्मान नहींश्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों का सम्मान होगा, आंदोलन में शहीद किसानों को आर्थिक मदद दी जाएगी। बिजली बिल में राहत होगी। खाद, बीज, कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। बजट में गांव-किसान-खेती के लिए पर्याप्त धनराशि रखी जाएगी।

लखनऊ में सपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह, राजेश यादव, डॉ मान सिंह सभी एमएलसी तथा शैलेन्द्र यादव ललई विधायक तथा डॉ फिदा हुसैन अंसारी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

Le CAM 006

जनता का नायक

दुष्यंत कबीर

चाहे बुंदेलखंड का झांसी, महोबा और ललितपुर हो या फिर पूर्वी उत्तर प्रदेश का जौनपुर या अवध की रायबरेली या फिर मध्य यूपी का एटा-मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव अपनी विजय यात्रा पर जिस इलाके में भी निकल रहे हैं वहां अपार जनसमूह उनके स्वागत के लिए उमड़ रही है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उत्तर प्रदेश का यह नजारा स्पष्ट रूप से श्री अखिलेश यादव के जनता के नायक के रूप में उभरने का स्पष्ट संदेश है।

जनता ने उन्हें उत्तर प्रदेश की कमान सौंपने के लिए जिसे अपना नायक तय कर लिया है वह नायक हैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव। श्री अखिलेश यादव 5 साल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और जनता ने

उनके कामकाज को करीब से देखा है। बीते 5 साल की भाजपा सरकार की नाकारा कार्यशैली और विकास को पीछे की पायदान पर ठेल देने की मानसिकता ने जनता को फिर से यह विश्वास दिलाया है कि उसके नेता और नायक अखिलेश यादव ही हैं।

ऐसा नायक जो विकासपरक राजनीति करता है। ऐसा नायक जो समाज को एक साथ लेकर चलने को प्राथमिकता देता है। ऐसा नायक जो युवाओं को रोजगार देने और आम जनता की जिंदगी को बेहतर बनाने के फैसले लेता है। ऐसा नायक जो आधी आबादी को उनका हक दिलाने की पुरजोर कोशिश करता है। ऐसा नायक जो किसानों की समस्याओं को दिल से समझता है और उनके समाधान के लिए तत्परता से प्रयास करता है।

स्पष्ट है कि अखिलेश यादव में यह सारे गुण कूट-कूट कर भरे हैं और यही कारण है कि जनता ने उनकी विजय यात्रा का हर इलाके में अभूतपूर्व स्वागत कर यह एलान कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में अगली सरकार समाजवादी पार्टी की होगी और उसके मुखिया होंगे अखिलेश यादव। जनता का अपना नायक तय कर लेने से बौखलाई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी अब ओछी राजनीति करते हुए हर हथकंडे आजमा रही है ताकि नायक को बदनाम किया जा सके लेकिन जब जनता ने यह तय कर लिया है कि उसका नायक कौन होगा तो ओछी राजनीति अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकती।

यदि अखिलेश जी के 5 साल के राज की तुलना लगभग 5 साल की भाजपा सरकार के कामकाज के साथ करें तो फर्क साफ है कि जहां श्री अखिलेश यादव ने एक बेहतर. विकसित, मैत्रीपूर्ण और सशक्त उत्तर प्रदेश बनाने को प्राथमिकता दी थी वही भाजपा की

खिलेश यादव जी

सरकार ने 5 साल में हर मोर्चे पर उत्तर प्रदेश को पीछे धकेलने का काम किया है लिहाजा यह स्वाभाविक है कि जनता ने मन बना लिया है कि वह उत्तर प्रदेश में जनहित की राजनीति करने वाले श्री अखिलेश यादव को ही दोबारा प्रदेश की कमान सौंपने जा रही है। साल 2021 का यह आखिरी महीना है और इसने नए साल के लिए नया आगाज कर दिया है। यह आगाज अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सत्ता से बेदखली और समाजवादियों की प्रचंड जनसमर्थन के साथ जनता की सेवा के लिए समर्पित सरकार बनने का है। जनता के आशीर्वाद और जनता की शुभकामनाओं से जनता के नायक का फिर से प्रदेश की सेवा में लगने का भी आगाज हो गया है जो नए साल में वास्तविकता में बदलने जा रहा है। उत्तर प्रदेश का मौसम बदल रहा है, मिजाज बदल रहा है और नए नायक के आगमन के साथ यह भी तय हो गया है कि 2022 में उत्तर प्रदेश का निजाम भी बदलने जा रहा है।

कवर स्टोरी

बुंदेलों की धरती पर बदलाव की ललकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विजय यात्रा के पांचवे चरण में बुंदेलखंड में तीन दिन तक जनसंपर्क किया। 1 दिसंबर को बांदा से शुरू हुई यात्रा महोबा, ललितपुर, झांसी भी गई। समाजवादी विजय यात्रा को लेकर जनता में जबरदस्त उत्साह और जोश का माहौल रहा।

बांदा के जीआईसी मैदान में लाखों की भीड़ उमड़ी। समाजवादी पार्टी और सहयोगी दलों के झंडे बैनर और टोपियां पहने लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुत अन्याय है। अब यह लोगों को ही तय करना है कि उन्हें 'योगी सरकार चाहिए या योग्य सरकार' चाहिए। श्री यादव ने हजारों की भीड़ का अभिवादन करते हुए नारा दिया-'बुन्देलखंड यही पुकारता, नहीं चाहिए भाजपा।'

श्री अखिलेश यादव ने नौजवानों से प्रदेश

में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनाइये नौकरी और रोजगार मिलेगा। समाजवादी पेंशन तीन गुना बढ़ाकर माताओं, बहनों की मदद करेंगे। किसानों को सम्मान दिया जाएगा। उनकी फसलों का सही मूल्य दिलाया जायेगा।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों की आय दुगनी करने का झूठ बोला। भाजपा सरकार में जानबूझकर पेपर लीक किया जाता है। यह लीक सरकार है। सरकार इसलिए पेपर लीक कराती है जिससे नौजवानों को नौकरी न देनी पड़े। टीईटी पेपर लीक हुआ। लाखों नौजवान परेशान हुए। इससे पहले भी इस सरकार में कई बार पेपर लीक हुए हैं।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अन्ना पशुओं के लिए कुछ नहीं किया। किसान रात-रात भर जागकर अपनी फसल को नहीं बचा पा रहा है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार बुंदेलखंड में फेल हो गई है। बुंदेलखंड में पानी का इंतजाम नहीं किया। लोग अभी भी प्यासे हैं। पांच साल में भी भाजपा सरकार ने जल परियोजनाओं को पूरा नहीं किया। बुंदेलखंड में बहुत गरीबी है। सपा सरकार आने पर अलग से योजनाएं चलाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने बांदा के अमन हत्या काण्ड का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस दोषियों का नहीं पकड़ पाई है। क्योंकि दोषियों को बचाने वाले सरकार में बैठे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों को माफिया और अपराधी बताने वाले मुख्यमंत्री पर खुद तमाम गम्भीर मुकदमें हैं। यह पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अपने मुकदमें खुद वापस ले लिए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने अपनी सरकार के समय किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। पूरे प्रदेश में विकास के कार्य को आगे बढ़ाया और सभी को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि इसी जोश और उत्साह के साथ जनता ने मतदान कर दिया तो भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी।

समाजवादियों ने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। पूरे प्रदेश में विकास के कार्य को आगे बढ़ाया और सभी को सम्मान दिया। इसी जोश और उत्साह के साथ जनता ने मतदान कर दिया तो भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी

इससे पूर्व जनसभा को सम्बोधित करते हुए सपा की सरहयोगी पार्टी महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने कहा कि भाजपा ने पिछड़ों के साथ धोखा दिया है। भाजपा ने पिछले चुनाव में पिछड़े वर्ग को मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था लेकिन अपमानित किया। श्री अखिलेश यादव ने महान दल को अपने साथ जोड़कर पूरे समाज को सम्मान दिया है। इस अवसर पर अपना दल (क) की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने शोषित समाज को लहूलुहान किया है। 2014 से शोषित और वंचित समाज की दशा भाजपा सरकार ने बहुत खराब कर दी है।

यात्रा के दूसरे दिन 2 दिसंबर को ललितपुर में विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने बुन्देलखण्ड की जनता को धोखा दिया है। नीति आयोग के अनुसार सबसे ज्यादा गरीबी यहां है। भाजपा ने साढ़े चार साल में जनता को बहुत दुःख और तकलीफ दिया है। आज किसान, नौजवान सभी दुःखी है। रोटी-रोजगार का कोई इंतजाम नहीं है। समाजवादी सरकार आने पर हम बुन्देलखण्ड की किस्मत बदलेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग परिवारवाद की बात करते हैं लेकिन वे परिवार का दुःख और तकलीफ नहीं समझते। परिवार का दुःख परिवार वाले ही समझ सकते हैं जिनके परिवार नहीं है वे दूसरों के दुःख, तकलीफ और संवेदना नहीं जानते हैं। श्री यादव ने कहा कि ये जो मुख्यमंत्री हैं वे योगी नहीं लगते हैं। योगी वह होता है जो दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार आने पर किसानों के लिए नई योजनाएं लाएंगे। मंडियां बनाएंगे, समय पर खाद-बीज का इंतजाम करेंगे। बुन्देलखण्ड में पानी की व्यवस्था करेंगे जिससे किसान दो फसलें ले सकें। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कागजी पिछड़े लोग जातीय जनगणना नहीं कराएंगे। जातीय जनगणना कराएंगे तो उनकी पोल खुल जाएगी। गरीबों और पिछड़ों को भागीदारी देनी पड़ेगी। श्री यादव ने कहा कि यह नई सपा है। यहां सबके हक और सम्मान की बात होती है।

श्री यादव ने कहा कि लोगों का जोश और उत्साह बता रहा है कि इस बार चुनाव में

समाजवादी

यू.पी का जनादेश
आ रहे हैं....
अखिलेश जी
सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिलेश यादव जी
के बुन्देलखण्ड की वीर भूमि झाँसी आगमन पर
एवं अभिनन्दन और वंदन
विजय यात्रा
श्री अखिलेश यादव जी
स्वागत एवं अभिनन्दन
और वंदन

झाँसी की जनता
करे पुकार
बउआ भैया
अबकी बार

भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी। समाजवादी लोग प्रचंड बहुमत से सरकार में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी योग्य सरकार देंगे। इस अवसर पर सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही है।

बुंदेलखंड में यात्रा के तीसरे दिन झांसी में श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड में डबल इंजन फेल हो गया है। भाजपा राज में बुंदेलखंड के हाथ कुछ नहीं लगा। श्री यादव के सघन जनसम्पर्क के दौरान पारीछा, चिरगांव और मोंठ में विशाल जनसमुदाय ने उनका स्वागत किया। यहां लोगों का जोश और उत्साह बता रहा था कि आने वाले समय में भाजपा का सफाया होगा। उन्होंने चिरगांव और मोंठ में एकत्र हजारों लोगों को, जिनमें बहुतायत में किसान, नौजवान थे, संबोधित किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि दूसरों पर तुष्टिकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा दुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि झांसी और प्रदेश की जनता भाजपा के झांसे में नहीं आने वाली है। समाजवादी पार्टी को बुंदेलखंड में भारी जनसमर्थन मिल रहा है। इस बार बुंदेलखंड की जनता भाजपा को शून्य कर देगी। भाजपा सरकार ने बुंदेलखंड और यहां के लोगों की उपेक्षा की। मुख्यमंत्री पहली बार आए तो झांसी में मेट्रो चलाने की बात कह कर गए थे। झांसी में मेट्रो अभी तक नहीं चली। इस अवसर पर पूर्व विधायकगण श्री सतीश जतारिया ने भाजपा और श्री विजय विकास वर्मा ने कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

बुंदेलखंड का बदल रहा है मिजाज

राजेन्द्र चौधरी
पूर्व कैबिनेट मंत्री,राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की तीन दिवसीय (1, 2 व 3 दिसंबर 2021) बुन्देलखंड यात्रा ने राजनीति में भूचाल का काम किया है। वे जहां-जहां गए हजारों की भारी भीड़ उनके स्वागत में उमड़ती रही। इनमें बुजुर्ग भी थे, महिलाएं और बच्चे भी थे। नौजवानों में तो अपने प्रिय नेता के प्रति जुनून दिख रहा था।

श्री अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा में तीन दिन बुंदेलखंड के लाखों लोगों से सम्पर्क संवाद से यह बात तो स्पष्ट कर दी है कि बुंदेलखंड, जिसने पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा को सभी सीटों पर जिता दिया, इस बार वह उसे शून्य पर पहुंचा कर रहेगा। इस प्रबल जनसमर्थन का ही नतीजा था कि आत्मविश्वास से अखिलेश जी ने कहा कि इस बार भाजपा का सफाया होगा। उनकी हर सभा में लाल टोपियां लहरा रही थी तो हरे लाल के साथ सहयोगी दलों के पीले-नीले झंडे भी लहरा रहे थे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में निश्चय ही समाजवादी विजय संकल्प यात्रा को बुंदेलखंड की जनता का भारी जनसमर्थन मिला है। 1 दिसंबर 2021 को बुंदेलखंड के तीन दिवसीय यात्रा पर निकले श्री अखिलेश यादव के प्रति जनता में उत्साह, विश्वास और जोश का जो जज्बा दिखा है वह अभूतपूर्व है। भाजपा की गलत नीतियों से परेशान किसान, नौजवान, मजदूर, महिलाएं, अगड़े, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक सभी वर्ग श्री अखिलेश यादव के साथ खड़े हो गए हैं। जनसभाओं में श्री अखिलेश यादव को सुनने और देखने के लिए अपार जनसमूह

आ रहा है। इसे देखकर भाजपा नेतृत्व, हताश निराश और बदहवासी की स्थिति में है।

श्री अखिलेश यादव ने अपनी यात्रा की शुरुआत बांदा से की। सपा के सहयोगी दलों महान दल के अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य और अपना दल (क) की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल के साथ श्री अखिलेश यादव ने बांदा में विशाल और ऐतिहासिक जनसभा की। बांदा की जनसभा में हर वर्ग के लोग शामिल हुए। जनसभा में जबरदस्त उत्साह रहा। जनता जनार्दन ने अखिलेश जी के प्रति भरोसा जताया। समाजवादी पार्टी और सहयोगी दलों के झंडे, बैनर, टोपी लगाए कार्यकर्ताओं के नारों से भीड़ में ऊर्जा और आशा का संचार हुआ। उत्साहित जनसमूह ने उत्तर प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिख दी है।

बांदा से महोबा के बीच समाजवादी कार्यकर्ताओं, नेताओं आम जनता, महिलाओं और किसानों ने जगह-जगह श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया। उनके प्रति तथा समाजवादी नीतियों के प्रति भरोसा जताया। भाजपा सरकार की महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार से परेशान जनता ने बदलाव का मन पहले ही बना लिया था लेकिन अखिलेश यादव ने उस बदलाव को उम्मीद का नेतृत्व दिया है।

जनता के स्नेह और विश्वास का नतीजा रहा कि समाजवादी विजय रथ से श्री अखिलेश यादव को बांदा से महोबा पहुंचने में घंटों लग गए। जगह-जगह लोगों ने भव्य और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। रथ यात्रा के साथ नौजवानों का रेला उमड़ पड़ा। बुंदेलखंड में किसी नेता के प्रति ऐसा प्यार और विश्वास पहले कभी नहीं दिखा। कई घंटे देरी से महोबा की जनसभा में पहुंचने के बाद भी भारी भीड़ श्री अखिलेश यादव को देखने और सुनने का इंतजार कर रही थी।

जनता के सभी वर्गों से मिल रहे अपार भरोसे से श्री अखिलेश यादव भी बेहद भावुक हो गए। उन्होंने महोबा में लोगों को भाजपा के कुशासन, अन्याय, अत्याचार और परेशानियों से निजात दिलाने का वादा किया। श्री अखिलेश यादव ने महोबा की जनता को समाजवादी सरकार में किए गए कार्यों के बारे में बताया। आज बुंदेलखंड की जनता समाजवादी सरकार के कार्यों को याद कर रही है।

श्री अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा में तीन दिन बुंदेलखंड के लाखों लोगों से सम्पर्क संवाद से यह बात तो स्पष्ट कर दी है कि बुंदेलखंड, जिसने पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा को सभी सीटों पर जिता दिया, इस बार वह उसे शून्य पर पहुंचा कर रहेगा।

यात्रा के दूसरे दिन श्री अखिलेश यादव ने महोबा से ललितपुर पहुंचकर आम लोगों और नेताओं से मुलाकात की, जनसभा को संबोधित किया, विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। बुंदेलखंड के लोगों की समस्याओं की जानकारी ली।

श्री अखिलेश यादव ने यात्रा के तीसरे दिन तीन जनसभाओं को संबोधित किया। जनसभाओं में आम जनता में प्रदेश में बदलाव के प्रति जबरदस्त ललक दिखी। पूर्वांचल की सफल और उत्साहित समाजवादी विजय रथ यात्रा के बाद बुंदेलखंड की यात्रा से जनता में भरोसा कई गुना बढ़ा है। पूरे प्रदेश ही नहीं अब पूरे देश में यह विश्वास हो चला है कि 2022 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

जनता का विश्वास और भरोसा समाजवादी पार्टी की नीतियों और श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी भरोसे और विश्वास ने यूपी में बदलाव की लहर पैदा कर दी है। जनता भाजपा के धोखे और झूठ से कराह रही है। भाजपा सरकार ने प्रदेश का विकास अवरुद्ध कर दिया है जनहित में कोई भी कार्य नहीं किया है।

अपनी संभावित हार से भयभीत भाजपा नेतृत्व ने अब नई साजिश और षड़यंत्र करना शुरू कर दिया है। नफरत और बांटने की राजनीति करने वाली भाजपा के पास जनता को बताने के लिए अपना कोई काम नहीं है। इसलिए बौखलाए हुए भाजपा नेताओं ने प्रदेश को एक बार फिर दलदल में फंसाने का षड़यंत्र रचना शुरू कर दिया है लेकिन प्रदेश की जनता इस बार बेहद सतर्क और सावधान है। 2022 में प्रदेश की जनता बदलाव लाकर श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में नई उम्मीद और विश्वास के साथ जनकल्याणकारी और विकासपरक सरकार बनाएगी।

समाजवादी और अंबेडकरवादी
मिलकर लाएंगे परिवर्तन
जौनपुर में विजय यात्रा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 14 और 15 दिसंबर को समाजवादी विजय यात्रा के छठे चरण के अंतर्गत पूर्वांचल के जौनपुर में व्यापक जनसंपर्क किया। विजय यात्रा का भारी जनसमुदाय ने जोरदार उत्साह के साथ स्वागत किया।

यात्रा जौनपुर पुलिस लाइन से शुरू हुई। श्री अखिलेश यादव के समाजवादी विजय रथ पर पहुंचते ही भीड़ जोश और उत्साह से भर गई। इस मौके पर सपा और उसके गठबंधन के सहयोगी भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर, जनवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री संजय चौहान और अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल श्री अखिलेश यादव के साथ यात्रा में मौजूद रहे।

इनके अलावा सभी दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। भारी भीड़ ने गगनभेदी नारों से नेताओं का स्वागत करते हुए अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए।

दो दिवसीय यात्रा में श्री यादव को देखने-सुनने जबरदस्त भीड़ उमड़ी। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी और अंबेडकरवादी मिलकर उत्तर प्रदेश में बदलाव लाएंगे। जनता बदलाव चाहती है। जनता के तमाम मुद्दों को लेकर समाजवादी और अम्बेडकरवादी लोग किसान, नौजवान और मजदूर का समर्थन मांगने के लिए उनके बीच समाजवादी विजय रथ लेकर निकले हैं।

उत्तर प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है। परिवर्तन होकर रहेगा। जिस तरह से सबका साथ और सहयोग मिल रहा है उससे लग रहा है कि भाजपा की 2022 में ऐतिहासिक हार होगी।

किसान लखीमपुर खीरी की घटना को कभी भूल नहीं पाएगा प्रदेश की जनता हाथरस और कासगंज जैसी घटनाएं नहीं भूल सकती। इसी तरह से नौजवान अपने ऊपर पड़ी लाठियों को नहीं भूलेगा

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस के अत्याचारों से समाज के सभी वर्गों के लोग प्रताड़ित एवं अपमानित हुए हैं। समाजवादी सरकार में किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। सबका सम्मान होगा। भाजपा जातीय जनगणना नहीं करा रही है। वह जातियों के बीच नफरत फैलाने का काम करती है। सपा सरकार तीन महीने के अंदर जातीय जनगणना कराकर सबको हक दिलाएगी। 2022 का चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। उन्होंने नौजवानों को रोजगार देने तथा पुलिस में भर्ती करने का भी आश्वासन दिया।

श्री यादव ने जनता का आव्हान किया कि वह खुशहाल प्रदेश और सुन्दर भविष्य बनाने के लिए योग्य सरकार बनाए। उन्होंने महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता से आवाज उठाने को कहा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों, नौजवानों को अपमानित किया है। यूपी और पंजाब का चुनाव देखकर भाजपा ने काले कृषि कानून वापस लिया। अगर यह कृषि कानून पहले ही वापस हो गए होते तो हमारे किसानों की जान बच जाती।

आज किसानों को डीएपी और यूरिया नहीं मिल पा रही है। खाद के लिए लाइन लगानी पड़ रही है। किसान लखीमपुर खीरी की घटना को कभी भूल नहीं पाएगा प्रदेश की जनता हाथरस और कासगंज जैसी घटनाएं नहीं भूल सकती। इसी तरह से नौजवान अपने ऊपर पड़ी लाठियों को नहीं भूलेगा। भाजपा से अपमान का बदला लेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश का विकास रोक दिया है। समाजवादी सरकार जौनपुर

एवं अभिनन्दन है।

समाजवादी

में सबसे अच्छा मेडिकल कॉलेज बना रही थी, लेकिन भाजपा सरकार ने काम रोक दिया।

श्री अखिलेश यादव ने जौनपुर दौरे के दूसरे चरण की विजय रथ यात्रा में पांच विधानसभा क्षेत्रों का सघन भ्रमण किया। उन्होंने जमुनिया में पहले दिन के दौरे की आखिरी सभा की जिसमें देर रात तक बड़ी संख्या में लोग उनका इंतजार करते रहे। उन्होंने कहा कि यहां जो जोशीला जनसमर्थन मिल रहा है वो अभूतपूर्व है जो बदलाव के इंकलाब का संकेत दे रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने अपनी जनसभाओं में कहा कि साढ़े चार साल में भाजपा की हर बात झूठी साबित हुई है। उनका हर वायदा जुमला निकला है। भाजपा का विज्ञापन भी झूठा है जिसका जवाब देने के लिए सड़कों पर जनता देर रात तक खड़ी है।

श्री यादव ने कहा कि एसआईटी रिपोर्ट से साबित हो गया है कि लखीमपुर खीरी में किसानों को षड़यंत्र के तहत जीप से कुचल कर मारा गया है। साजिश में गृह राज्य मंत्री भी शामिल थे अतः गृह राज्य मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि आज जनता की कमाई आधी हो गई है और महंगाई दोगुनी हो गई है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। महिलाओं में असुरक्षा है। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं।

समाजवादी सरकार में सबको न्याय और सम्मान मिलेगा, हक और सम्मान मिलेगा, नौकरी और रोजगार मिलेगा। सपा सरकार बनने पर प्रदेश की जनता को बेहतरीन कानून व्यवस्था देंगे। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा।

सभी जाति, धर्म के लोगों को और सम्मान दिया जाएगा। प्रदेश की जनता को विकास, न्याय और अच्छी कानून व्यवस्था का भरोसा दिलाते हैं। किसानों को उनकी फसलों का सही मूल्य दिलाया जाएगा। किसानों का सम्मान होगा। बीज और पानी का इंतजाम होगा। सड़क और मंडियां बनाई जाएंगी। स्कूल, कॉलेज और अस्पताल खोले जाएंगे।

यूपी की अनुपयोगी सरकार के दिन अब पूरे

समाजवादी रंगों में रंगी रायबरेली

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की 17 और 18 दिसंबर को रायबरेली में हुई विजय यात्रा में उमड़े जन सैलाब की धमक दूर तक गई। यात्रा के दौरान भीड़ भरी सभाओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं जानते हैं।

उन्होंने यूपी को बहुत पीछे कर दिया है। राज्य का विकास अवरुद्ध हो गया है। भाजपा सरकार में हर वर्ग को परेशानी मिली। इस सरकार ने सिर्फ किल्लत, दिक्कत और जिल्लत पैदा की। अपने पूरे कार्यकाल में भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों और मजदूरों को अपमानित किया। नौकरी और रोजगार का इंतजाम नहीं किया।

श्री अखिलेश यादव ने चिरूआ में मंदिर में दर्शन कर यात्रा प्रारम्भ की। उन्होंने

समाजवादी पार्टी
समाजवादी पार्टी

बछरावां, हरचंदपुर विधानसभा के गुरबख्श गंज कस्बे में तथा सरेनी विधानसभा के लालगंज कस्बे में जनसभाओं को सम्बोधित किया। श्री यादव ने कहा कि जनता का जो प्रबल समर्थन दिख रहा है उससे तय है कि जनता भाजपा का सफाया कर देगी। प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल रही है। जनता अनुपयोगी सरकार को हटाकर उपयोगी सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश किसानों की आत्महत्या, सरकारी नाकामी, अन्ना जानवर, पुलिस हिरासत में मौतों में नम्बर वन है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी अपनी पार्टी के संकल्प पत्र की एक भी चीज पूरी नहीं कर पाए, सिर्फ दूसरों के काम को अपना बताते हैं। इन्होंने प्रदेश को हर काम में पीछे कर दिया है। भाजपाई झूठे मुकदमों और ठोको वाला खेल खेलना जानते हैं। भाजपा बेरोजगारी, शिक्षक भर्ती पर क्या कहेगी?

श्री यादव ने कहा कि हम जानते हैं जनता को समाजवादियों से बहुत उम्मीद है। सपा सरकार बनने पर सभी को न्याय मिलेगा। सबका सम्मान होगा। कानून-व्यवस्था मजबूत करेंगे। किसानों को फसलों का सही मूल्य मिलेगा। नौजवानों के रोटी-रोजगार की व्यवस्था होगी। महिलाओं को सम्मान मिलेगा।

रायबरेली में समाजवादी विजय यात्रा के दूसरे दिन 18 दिसंबर को मुंशीगंज, ऊंचाहार और सलोन क्षेत्रों में आयोजित विशाल जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी में जनता की बड़ी संख्या में उपस्थिति और हर तरफ उठती जनलहर को देखकर भाजपा बुरी तरह डर गई है। वह समझ नहीं पा रही

है कि क्या करे। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश की हवा खराब हो गई है। भाजपा के सारे दावे , बयान और विज्ञापन झूठे हैं। भाजपा के झूठ को जनता जान चुकी है। वह किसी भटकावे में नहीं आने वाली है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर पांच साल राशन मिलेगा। गरीब पेंशन तीन गुना बढ़ाकर मिलेगी। दवा-पढ़ाई का बेहतर इंतजाम होगा। महंगी बिजली में से राहत मिलेगी, नौजवानों के रोटी-रोजगार की व्यवस्था होगी, किसानों को सम्मान मिलेगा। सबको न्याय मिलेगा। भाजपा ने 5 साल में जनहित का कोई काम नहीं किया जब चुनाव आता है तो धार्मिक चश्मा चढ़ा लेती है।भाजपा ने पिछड़ों से झूठ बोला। निषाद और कश्यप समाज को धोखा दिया। उत्तर प्रदेश को अनुपयोगी सरकार नहीं चाहिए। समाजवादी सरकार आने पर निषाद, कश्यप, बिन्द समाज को पूरा हक और सम्मान देंगे।

रायबरेली में समाजवादी विजय रथ यात्रा के दूसरे दिन यात्रा पर निकलने से पहले श्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। संस्थाओं के जरिए अपने विरोधियों को डराने का काम कर रही है। भाजपा समझ ले यह चुनाव जनता का है सीबीआई और इनकम टैक्स का नहीं है। भाजपा महंगाई बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर जनता का जवाब नहीं दे पा रही है इसलिए चुनाव में आयकर, सीबीआई और इनकम टैक्स लेकर आ रही है। यूपी में भाजपा का सफाया तय है। भाजपा की कार्य प्रणाली से जनता में बहुत नाराजगी है। समाजवादी पार्टी का विजय रथ चलता रहेगा।

समाजवादी सरकार में होगी जातीय जनगणना

मैनपुरी-एटा में विजय यात्रा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 21 दिसंबर को मैनपुरी से एटा तक समाजवादी विजय यात्रा की जिसमें पूरे रास्ते एवं जनसभा में विशाल जन समुदाय उनकी एक झलक पाने को बेताब दिखा। मैनपुरी में क्रिश्चियन कॉलेज के मैदान में विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज का ऐतिहासिक कार्यक्रम है। यह जनता की रैली है, भाजपा की रैली सरकारी खर्च पर होती है। परिवहन की बसों से लाभार्थियों को लाकर भीड़ जुटाई जाती है।

श्री अखिलेश यादव के स्वागत में हजारों कार्यकर्ता झंडा, बैनर और लाल टोपी लगाए जोश और उत्साह के साथ जमे रहे। रथयात्रा के काफिले में नौजवान समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाते पैदल दौड़ते दिख रहे थे। रास्ते में कई

जगहों पर रुककर श्री यादव ने कार्यकर्ताओं का अभिनंदन स्वीकार किया है और आव्हान किया कि 2022 के चुनाव में जनता भाजपा के हटाने और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में कोई चूक न करे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा हमारे लोगों के यहां छापों में कुछ नहीं मिला। कुछ मिलेगा भी नहीं। समाजवादी घबराने वाले नहीं है, मुकाबला करने वाले हैं। उन्होंने कहा भाजपाई लाल रंग से भड़कते है। यह क्रांति और खून का रंग है। भाजपा के अन्याय, अत्याचार और अपमान से बचाव के लिए समाजवादी सरकार बनना जरूरी है।

श्री यादव ने बताया कि मैनपुरी में सैनिक स्कूल सपा सरकार में जितना बना था, उसके आगे नहीं बना, इटावा से आने वाली सड़क की चौड़ाई नहीं बढ़ी, एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडिया बननी थीं जिससे किसान को लाभ होता, भाजपा ने उन्हें रोक दिया। भाजपा ने विकास रोक दिया। उन्होंने कहा गरीब की जेब काट कर अमीरों की जेबें भरी जा रही है। भाजपा का सफाया होना तय है। चुनाव में परिवर्तन होकर रहेगा।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर टीईटी, बीएड, बीपीएड, शिक्षामित्र सबकी मदद करेंगे। अटेवा वालों की पेंशन भाजपा सरकार ने छीन ली है। उनकी भी मदद समाजवादी सरकार ही करेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर की पार्टी, डॉक्टर संजय चौहान की पार्टी और समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना कराना चाहती है। सपा सरकार बनने पर जातीय जनगणना कराकर सभी जातियों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे। श्री यादव ने एटा में मलावन और रामलीला मैदान में जनसभाएं की।

साझेदारी का दम

विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने जिन दलों के साथ चुनावी गठबंधन किया गया है उनके साथ सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लगातार अच्छा समन्वय बना रखा है। साझा रैलियों और जनसभाओं के जरिए साझेदारी का यह दम लगातार दिख भी रहा है। बीते एक महीने में मेरठ और अलीगढ़ में सहयोगी पार्टी रालोद के साथ, वहीं हरदोई में सहयोगी सुभासपा और लखनऊ में सहयोगी जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के साथ भीड़ भरी रैलियों ने गठबंधन की एकता और ताकत को बखूबी प्रदर्शित किया है। पेश है साझा आयोजनों पर ***विशेष रिपोर्ट:***

सपा-रालोद की जुगलबंदी से बदलाव की बयार

बुलेटिन ब्यूरो

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ और अलीगढ़ में समाजवादी पार्टी और सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल की साझा रैलियों में उमड़े विशाल जन सैलाब के भारी जोश को देखकर यह भरोसा हो गया है कि पश्चिम में भाजपा का सूरज हमेशा के लिए डूब जाएगा। 2022 के चुनाव में किसान इंकलाब होगा और यूपी में अवश्य बदलाव आएगा।

7 दिसंबर को मेरठ के दबथुआ के मैदान में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के संयुक्त शक्ति प्रदर्शन में किसान, बुजुर्ग, नौजवानों का हर ओर रेला था। मैदान में कहीं तिल रखने की भी जगह नहीं थी। रैली को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव एवं रालोद के मुखिया जयंत चौधरी ने संबोधित किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में किसानों को क्या-क्या नहीं सहना पड़ा। कृषि कानूनों से उन्हें तमाम परेशानियां उठानी पड़ीं। किसानों की एकजुटता ने संदेश दिया है कि वे भाजपा के लिए अपने दरवाजे बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को उनके हक दिलाए जाएंगे। भाजपा किसानों का अपमान करती रही है। किसानों को गाड़ी से कुचला तक गया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि रालोद-सपा कार्यकर्ता भाईचारे को मजबूत करने के लिए खड़े है। संयुक्त सरकार में गरीब,

किसान, लोगों को बिजली के बिलों में राहत दी जाएगी। समाजवादी रालोद सरकार में किसान के भुगतान के लिए अलग से एक किसान फण्ड बनाएंगे जिससे कि गन्ना किसानों का समय से भुगतान हो सके। हम किसानों की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

श्री यादव ने कहा कि भाजपाई नफरत की राजनीति कर रहे है और हमारे बीच खाई पैदा कर रहे हैं। हमारे और आपके बीच में जो खाई पैदा करे वही है भाजपाई। भाजपा के ठोको राज ने लोगों को अपमानित किया हैं बुलडोजर वाले अपने बुल को नहीं संभाल पा रहे हैं। इनकी हर बात झूठी है। इनका प्रचार और विकास झूठा है।

रालोद प्रमुख श्री जयंत चौधरी ने कहा कि भाजपा ने किसानों को कुचला है और 700 से ज्यादा शहीद हुए हैं। किसानों की कुर्बानी बहुत बड़ी है। यूपी में पेपर होते हैं लेकिन उससे पहले लीक हो जाते हैं। बिजनौर में सड़क उद्घाटन में ही टूट जाती है। श्री जयंत चौधरी ने कहा कि रालोद शहीद किसानों की स्मृति में स्मारक बनाएगी। सरकार बनने पर चौधरी चरण सिंह जी का भी स्मारक बनेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की 119वीं जयंती के अवसर पर 23 दिसंबर को अलीगढ़ के इगलास में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल ने संयुक्त रूप से विशाल रैली का आयोजन कर "किसान दिवस" समारोह के रूप में मनाया। रैली में लाखों की संख्या में लोग पहुंचे। अपरिहार्य कारणों से श्री अखिलेश यादव रैली में शामिल नहीं हो सके।

रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया श्री जयंत चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को अपमानित किया है। किसानों की आय दुगनी करने का

झूठा वादा किया। अब झूठे विज्ञापन दे रही है। उन्होंने कहा कि किसानों ने अपने हक और सम्मान के लिए लंबा संघर्ष किया। तीन काले कृषि कानूनों को वापस कराने में सात सौ किसानों ने अपनी शहादत दी। किसानों ने अपनी ताकत और एकजुटता से भाजपा की अहंकारी और किसान विरोधी सरकार को झुकने को मजबूर किया है। इसी ताकत को बनाये रखने के लिए हमने और श्री अखिलेश यादव जी ने हाथ मिलाया है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का यही पुराना समीकरण है।

उन्होंने कहा कि आज हमारे बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव नहीं पहुंच पाये है उन्होंने चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न दिये जाने की मांग की है।

श्री जयंत चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा ने देश और प्रदेश की वित्तीय हालत बहुत खराब कर दी है। श्री अखिलेश यादव की सरकार में उत्तर प्रदेश की जीडीपी 6.9 प्रतिशत की दर से विकास कर रही थी जो बाबा की सरकार में 1.9 प्रतिशत रह गई है। आज उत्तर प्रदेश में आईटीआई से उत्तीर्ण छात्रों की बेरोजगारी 67 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल की सरकार बनाइये भर्ती होगी और पांच साल में एक करोड़ नौजवानों को नौकरी दिलायेंगे। भाजपा सरकार ने बिजली महंगी कर दी है। लोग बिजली का बिल नहीं दे पा रहे हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। योगी पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अपने मुकदमे वापस ले लिए हैं।

रैली को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार किसानों को धोखा दे रही है। नौजवानों के साथ छलावा किया है। महंगाई बढ़ाकर गरीबों की कमर तोड़ दी। यूपी में हर वर्ग भाजपा से आक्रोशित है। प्रदेश में परिवर्तन की बयार है। परिवर्तन की लड़ाई में हर वर्ग खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक आजादी की लड़ाई का झंडा श्री अखिलेश यादव और श्री जयंत चौधरी के हाथ में है। उत्तर प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का सम्मान होगा। नौजवानों को नौकरी रोजगार का इंतजाम होगा। महंगाई घटेगी। भाजपा के अन्याय और अत्याचार का खात्मा होगा।

सहयोगी दल की रैली में भागीदारी का वादा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 27 नवंबर को हरदोई जनपद में महाराजा सल्हीय सिंह अर्कवंशी के 15वां मूर्ति स्थापना दिवस समारोह पर सण्डीला के सागरगढ़ी झावर मैदान में आयोजित भागीदारी संकल्प मोर्चा की विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए कहा

कि भाजपा राज में उत्तर प्रदेश पिछड़ गया है। जनता इनको पहचान गई है।

उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है। 2022 के चुनावों में जनता भाजपा का सफाया करेगी। भाजपा सरकार जातीय जनगणना से भाग रही है। समाजवादी सरकार में गिनती कराकर आबादी के हिसाब से भागीदारी और सम्मान देंगे। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय से अपील थी कि वह भाजपा के खिलाफ मतदान करें, भाजपा की इस बार ऐसी ऐतिहासिक हार होगी जिसका उसे अंदाज भी नहीं होगा।

रैली की अध्यक्षता चुनावों में सपा के गठबंधन के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर ने की। श्री राजभर ने जनता से श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए संकल्प लेकर जाने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के तमाम वर्गों को समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मदद दी जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान की आय दुगनी नहीं हुई। धान बेचने में उसकी जान तक चली गई। लखीमपुर की घटना जलियांवाला बाग हत्याकांड की तरह है। सण्डीला अपने लड्डुओं के लिए मशहूर था, वह कारोबार भी बंद हो गया है। बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए हैं। भाजपा वाले समाजवादियों के काम से अपना काम चला रहे है। कोरोना काल में लोगों को भाजपा सरकार ने अनाथ छोड़ दिया था। महंगाई की मार से लोग त्रस्त हैं।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज होगा। मुफ्त विशेष खाद्यान्न योजना प्रारम्भ की जाएगी। 1500 रुपए माताओं-बहनों के अकाउंट में जाएगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने जिस रास्ते से अपनी सरकार बनाई उस रास्ते को हम बंद कर रहे हैं। किसान, नौजवान सभी मिलकर भाजपा को सबक सिखाएंगे। पश्चिम बंगाल में 'खेला होबे' का नारा था उत्तर प्रदेश में 2022 के चुनावों में भाजपा के लिए 'खदेड़ा होबे' का नारा है। श्री अखिलेश यादव के समक्ष पूर्व विधायक श्री अनिल वर्मा एवं श्री सत्य नारायण ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सपा गठबंधन
कई रंगों का गुलदस्ता

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के पास नफरत के सिवाय और कुछ नहीं है। वे उसी की राजनीति करते हैं। वे भाईचारा और गंगा जमुनी संस्कृति को खत्म करना चाहते है। भाजपा ने लोगों का हक और सम्मान छीना है और अपमानित किया है। 2022 में होने वाला चुनाव ऐतिहासिक होगा। इसमें भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी।

श्री अखिलेश यादव ने 25 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर मैदान में सपा के सहयोगी दल जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) की जनवादी जनक्रांति महारैली को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के अध्यक्ष डॉ संजय चौहान ने अपने समर्थकों से अपील करते हुए कहा कि भाजपा को सबक सिखाने के लिए श्री अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाना है। भाजपा वोट लेती है, हिस्सेदारी नहीं देती है। भाजपा सामाजिक न्याय नहीं चाहती है। अखिलेश जी ने हमारे समाज को सम्मान दिया है। भाजपा नहीं चाहती है कि चौहान समाज का कोई नेता हो।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज का नारा यही है कि "भाजपा हटाओ, प्रदेश बचाओ," "नहीं चाहिए भाजपा।" इस सरकार से हर वर्ग के लोग दुखी हैं। इतना दुःख और तकलीफ किसी सरकार ने नहीं

दी। भाजपा ने जनसामान्य को परेशान कर दिया है। बाबा साहेब ने जो सपना देखा था वो सपना पूरा नहीं हुआ। खुशहाली का सपना तब पूरा होगा जब आपकी सरकार बनेगी। उन्होंने कहा चौहान समाज विकास में बहुत पीछे छूट गया है। भाजपा ने उसे पीछे कर दिया है। उन्होंने चौहान समाज से साइकिल को जिताने की अपील की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई रोकना भाजपा के वश में नहीं है, नौजवान बेरोजगारी का शिकार है। नौकरियां नहीं है। भाजपा के लोग उद्योगपतियों की मदद करते है। इन्होंने यूपी को विकास में पीछे कर बर्बाद कर दिया है। इस बार जनता इन्हें बदल देगी। यूपी का सीएम बदल देगी।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों की जाति जनगणना नहीं कराना चाहती है। वह उन्हें हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। समाजवादी सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाएगी और चौहान समाज को भी उसके अधिकार मिलेंगे। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी सभी को जोड़ रही है। हमने कई दलों को जोड़ने का काम किया है। हमने कई रंगों को मिलाकर रंगीन गुलदस्ता बनाया है। सभी को जोड़कर प्रदेश का विकास करेंगे। भाजपाई एक रंगी लोग है, वे कभी खुशहाली नहीं ला सकते है। वे रंग और नाम बदलने वाली सरकार है। जनता ने भी इसको बदलने का मन बना लिया है। श्री अखिलेश यादव ने सभास्थल पर भारी भीड़ और भीड़ में लहराते झंडो का जिक्र करते हुए जनसमुदाय से आग्रह किया कि वे लोग चुनाव के दिन एक वोट अपने अपमान का बदला लेने के लिए और साइकिल की रफ्तार बढ़ाने के लिए दें। जनवादी जनक्रांति महारैली में जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के प्रदेश अध्यक्ष श्री राम सुरेश चौहान और समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल भी उपस्थित थे।

आजम साहब से हो रहे बर्ताव पर जनता में रोष

चुनावी मुद्दा बन रहा उत्पीड़न

फोटो स्रोत : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में से एक वरिष्ठ नेता व रामपुर के सांसद मोहम्मद आजम खान साहब के खिलाफ भाजपा सरकार का मनमानी भरा रवैया विधानसभा चुनावों का बड़ा मुद्दा बन रहा है। आम लोग आजम साहब व उनके परिजनों के साथ हो रहे सरकारी उत्पीड़न को भाजपा सरकार द्वारा सत्ता का बेजा इस्तेमाल किए जाने का विस्तार ही मान रहे हैं।

लोगों का कहना है कि एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार के प्रति सियासी बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई नहीं मानी जा सकती क्योंकि सरकारों का यह काम नहीं होता। लिहाजा लोग सरकार की मनमानी का जवाब चुनावों में वोट के जरिए देने का मन बना चुके हैं।

आजम साहब के प्रति सरकार के रवैए से यदि जनता के मन में नाराजगी है तो वहीं बीते दो साल से तमाम प्रतिकूल हालातों में भी हौसला न गंवाने के आजम खान साहब के व्यक्तित्व से समाजवादियों को खासी प्रेरणा भी मिल रही है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव कई मौकों पर कह चुके हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद मोहम्मद आजम खान के साथ जो व्यवहार भाजपा सरकार कर रही है वह अनैतिक एवं अमानवीय है। लोकतंत्र में सरकार का आचरण बिना राग द्वेष का होना चाहिए। भाजपा सरकार द्वारा समाजवादी पार्टी के नेताओं को अपमानित करने और यातना देने के लिए झूठे केसों में फंसाया जाता रहा है। भाजपा समझती है कि इससे समाजवादी पार्टी का मनोबल तोड़ा जा सकता है। भाजपा इसमें कभी सफल नहीं हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि आजम साहब ने दशकों लोकतंत्र के लिए संघर्ष किया है। आपातकाल में दो वर्ष तक उन्होंने जेल की यातना सही। वे 9 बार विधायक, 5 बार मंत्री और एक बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। इस समय वह लोकसभा के सदस्य हैं। उन्होंने तालीम के क्षेत्र में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय रामपुर में स्थापित कर ऐतिहासिक काम किया।

समाजवादी पार्टी की सरकार में उन्होंने इलाहाबाद कुम्भ के आयोजन को सफलतापूर्वक पूरी जिम्मेदारी से निभाया जिसकी प्रशंसा विदेशों तक में हुई थी। कुम्भ मेले में आए अखाड़ो के साधु-संतों ने भी आजम साहब के कार्यों की प्रशंसा की थी। उनकी उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है।

लिहाजा शासन-प्रशासन की इन हरकतों से श्री आजम खान वह शानदार इतिहास नहीं धुल जाएगा जिसमें वे गए कई दशकों से रामपुर और आस-पास की राजनीति का चेहरा बदल देने वाले नायक के तौर पर नजर आते हैं। वे ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने दशकों लोकतंत्र के लिए संघर्ष किया है। आपातकाल में दो वर्ष तक उन्होंने जेल की यातना सही है।

ऐसी शख्सियत के खिलाफ सत्तारूढ़ पार्टी के कहने पर पुलिस-प्रशासन द्वारा की जा रही मनमानी कार्रवाई के खिलाफ समाजवादी पार्टी लगातार मुखर रही है। खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनकी गिरफ्तारी के मुद्दे पर लगातार सरकार को घेरा है। श्री अखिलेश यादव ने आजम साहब की रिहाई की मांग करते हुए रामपुर से लखनऊ तक चली साइकिल यात्रा की रामपुर में साइकिल चलाकर शुरुआत भी की थी। श्री अखिलेश यादव ने हमेशा कहा है कि समाजवादी पार्टी हर दुःख दर्द में उनके व उनके परिवार के साथ खड़ी रहेगी।

सिर पे लाल टोपी...

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

राजकपूर की फिल्म श्री 420 का एक गाना हैः— मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी, सिर पे लाल टोपी रूसी फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। लगता है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लाल टोपी को देखकर भड़कने वाले नेताओं ने न तो मुकेश का गाया हुआ यह गाना सुना है और न ही टोपी का इतिहास पढ़ा है।

वे सिर्फ चिढ़ में टिप्पणियां करते रहते हैं और जनता को भड़काते रहते हैं। लेकिन धर्म आधारित राजनीति करने वालों ने कम से कम हनुमान जी उपासना में संकटमोचक हनुमानाष्टक में का यह दोहा तो सुना होगा कि –*लाल देह लाली लसै अरुधर लाल लंगूर। बज्र देह दानव दलन जय जय जय कपि सूर।*

इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को आखिर समाजवादी पार्टी की लाल टोपी से इतनी चिढ़ क्यों है? इन नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। लाल टोपी से चिढ़ने का यह सिलसिला भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुरू होता हुआ दिखता है। क्योंकि इससे पहले भाजपाइयों में समाजवादी महापुरुषों और उनके विचारों को अपना बताने और अपनाने की होड़ देखी गई थी।

योगी आदित्यनाथ भले कई बार लोकसभा के सदस्य रहे हों लेकिन वे धर्म से राजनीति में आए हुए व्यक्ति हैं और उन्हें राजनीतिक मुहावरों की बजाय धार्मिक मुहावरों में बात करने और धार्मिक वेशभूषा में ही राजनीति करने का अभ्यास है। हालांकि उन्हें तुसलीदास की धर्म की उस परिभाषा से कोई लेना देना नहीं है कि *परहित सरिस धरम नहिं भाई। परपीड़ा सम नहिं अधिकाई।*

हर टोपी और पगड़ी का अपना इतिहास है और इतिहास अपने अपने ढंग से सबके लिए टोपियां गढ़ता भी रहता है। लाल टोपी पहनने का फैसला समाजवादियों ने तभी से कर लिया था जब 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया कालेज में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन हुआ था

वे इसका उल्टा ही करते हैं। यही कारण है कि वे इस बात से बेचैन हो जातें हैं कि उनके गेरुआ वस्त्र के अलावा किसी और नेता और पार्टी का प्रतीक चिह्न लोगों की नजर में आए। वैसे तो मनुष्य अपने इतिहास में तरह तरह की टोपियां और पगड़ियां न जाने कब से पहन रहा है। वे लोगों की मौसम के लिहाज से जरूरत भी पूरा करती हैं, उनके सौंदर्य में वृद्धि भी करती हैं और परिधान की संस्कृति का निर्माण भी करती हैं। वही टोपियां और पगड़ियां कब राजनीतिक और सामाजिक सम्मान, स्वाभिमान का प्रतीक बन जाएं कहा नहीं जा सकता।

हर टोपी और पगड़ी का अपना इतिहास है और इतिहास अपने अपने ढंग से सबके लिए टोपियां गढ़ता भी रहता है। खाकी पैंट, सफेद शर्ट और इटली के फासीवादी शासक मुसोलिनी की प्रेरणा से काली टोपी पहनने वाले संघ परिवार के लोगों के इतिहास पर चर्चा से पहले यह जान लेना जरूरी है कि आखिरकार लाल टोपी का महत्व क्या है?

लाल टोपी पहनने का फैसला समाजवादियों ने तभी से कर लिया था जब 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया कालेज में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन हुआ था। लेकिन उस समय के महात्मा गांधी के आंदोलन में प्रचलित खादी की सफेद टोपी के कारण लाल टोपी कम लोकप्रिय हुई। क्योंकि तब गांधी टोपी पहनने पर लोग दंडित किए जाते थे और पुलिस लोगों से उतरवा कर उसे जलवा भी देती थी। उस टोपी को पहनकर कांग्रेस और उसके नेताओं ने देश को आजादी दिलाई।

हालांकि वह टोपी महाराष्ट्र के इलाके में पहले

से पहनी जाती थी। शायद गांधी जी ने वहीं से लिया था। जैसे उन्होंने चरखा भी समाज से ही उठाया था। जब देश आजाद हुआ और 1948 में समाजवादी पार्टी कांग्रेस पार्टी से अलग हुई तो आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया सभी ने लाल टोपी पहनी।

प्रसिद्ध समाजवादी एसएम जोशी, रामानंद तिवारी, कर्पूरी ठाकुर और कपिल देव सिंह जैसे सभी समाजवादियों ने लाल टोपी पहनी थी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी आरंभिक दिनों से लाल टोपी पहनते रहे हैं।

आजादी के बाद समाजवादी लोग लाल टोपी और बरगद निशान से पहचाने जाते थे। प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के लोग लाल टोपी विशेष तौर पर पहनते थे।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जयशंकर पांडेय बताते हैं कि कभी देवरिया के रहने वाले मास्टर उग्रसेन ने एक गीत रचा था जिसमें लाल टोपी का जिक्र आता हैः वह गीत इस प्रकार हैः—

डा लोहिया का लोहा गरमाइल बाटे

कांग्रेस घबराइल बाटे नाय

लाल टोपी देखाइल बाटे नाय

दक्षिण भारत के समाजवादी तो लाल टोपी पहनते ही थे, उत्तर प्रदेश का कानपुर और देवरिया जिला समाजवादियों का गढ़ माना जाता था। लोग इन जिलों की तुलना केरल से करते थे और वहां लाल टोपियां खूब दिखती थीं।

पिछली सदी के आखिरी दशक के आरंभ में जब देश की धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र को बचाने और समाजवादी आंदोलन की पुरानी और शानदार परंपरा को सहेजने के लिए समाजवादी पार्टी गठित हुई तो बिखराव और हताशा के कारण लाल टोपी पहनना चलन से बाहर हो चुका था लेकिन पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष मुलायम सिंह ने युवजन सभा के लोगों को उसे पहनने की सलाह दी।

वह पहचान इतनी अच्छी लगी कि बाद में जब अखिलेश यादव सक्रिय हुए तो उन्होंने उस पुरानी लेकिन संघर्ष, बलिदान और क्रांति की परंपरा को फिर से लोकप्रिय बनाने का फैसला किया।

सन 2011 में जब आगरा में समाजवादी पार्टी का आठवां राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ तो अखिलेश यादव लाल टोपी पहन कर मंच पर आए। जब वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बने तो उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि अगर उन्हें अपनी शानदार विरासत को आगे ले

भाजपा की लाल बत्ती गुल होने वाली है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लाल टोपी का डर भाजपा नेताओं में घर कर गया है। उनको अब अपने राजनीतिक अस्तित्व का खतरा महसूस होने लगा है। भाजपा की लाल बत्ती गुल होने वाली है। इस सच्चाई से भाजपा अच्छी तरह परिचित हो गई है तभी वह समाजवादी पार्टी पर अनर्गल आरोप लगाने लगी है।

उन्होने कहा कि भारतीय संस्कृति का जब-तब दम भरने वाले भाजपा नेताओं को पता नहीं यह जानकारी है कि नहीं कि हनुमान जी का रंग लाल है। सूरज का रंग लाल है। हर एक के जीवन में लाल रंग है। लाल रंग बदलाव का भी है। खून का भी रंग लाल है। इस सबकी भाजपा को समझ नहीं है क्योंकि उसकी नीतियां तो नफरत फैलाने वाली है। काली टोपी वाले यह नहीं समझ पाएंगे क्योंकि उनकी सोच संकीर्ण है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेताओं को देश की भावनाओं से कोई लेना देना नहीं। किसानों- नौजवानों की समस्याओं के प्रति उसका रूख उपेक्षापूर्ण है। किसानों से किए गए वादों को भाजपा भूल गई है। यही नहीं उसने अपने चुनाव संकल्प पत्र में जो वादे किए थे उन्हें भी वह कूड़े के ढेर में डाल चुकी है। नौजवानों को रोजगार के झूठे आंकड़ों से भ्रमित किया जाता है।

संसदीय जनतंत्र में भाषा और व्यवहार की मर्यादा से दल और व्यक्ति का परिचय होता है। भाजपा नेतृत्व में भाषा का संयम मिटता जा रहा है। उसका आचरण भी मर्यादा लांघता नज़र आने लगा है। लोकतंत्र का एक प्रमुख अंग सत्तापक्ष के बाद विपक्ष होता है। भाजपा सत्ता के अहंकार में इतना डूब गई है कि वह विपक्ष को लांछित करने से नहीं चूकती है। सत्ताशीर्ष से विपक्षी नेताओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग कर व्यक्तिगत आरोप लगाया जाना लोकतंत्र में अवांछनीय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी 2022 के चुनावों में हार की आशंका से इतना भयभीत है कि वह अपना विवेक और संयम दोनों खो चुकी है। उसने लोकलाज भी छोड़ दी है। जनता ने तय कर लिया है कि वह भाजपा के अब तक के जनविरोधी कामों के लिए मतदान में उसका सफाया करके ही दम लेगी।

जाना है तो लाल टोपी पहनना चाहिए।

जिस लाल टोपी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल बत्ती से जोड़ रहे हैं और योगी आदित्यनाथ ड्रामा बताते हैं उसकी भारत ही नहीं विश्व इतिहास में एक शानदार परंपरा और विरासत है। 1779 में जब अमेरिका में आजादी की लड़ाई हुई और क्रांति हुई तो लाल टोपी आजादी का प्रतीक बनकर निकली। हालांकि वह लाल टोपी इस आकार की नहीं थी। वह तिकोनी थी और उसके ऊपरी हिस्से में गेंदनुमा गोल फुलरा लगा हुआ था। जो व्यक्ति दास प्रथा से मुक्त होता था वह उस टोपी को पहनता था। जिस तरह टूटी हुई जंजीरें गुलामी से मुक्ति और आजादी की प्रतीक थीं उसी तरह लाल टोपी भी आजादी और क्रांति का प्रतीक बन गई थी। बाद में फ्रांस की क्रांति जहां से स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व जैसे मूल्य निकले वहां भी लाल टोपी दास प्रथा से मुक्ति का प्रतीक बनी। फ्रांस की क्रांति के दौरान महिलाएं लाल टोपी बुनती रहती थीं और आजादी के लिए लड़ने वाले उसे पहनते थे।

सन 1848 में जब दुनिया भर में क्रांतियां हुईं तो लाल झंडे का प्रयोग किया गया। इस तरह लाल झंडा अन्याय के विरुद्ध और नई व्यवस्था के निर्माण के लिए किए जाने वाले संघर्ष का प्रतीक हो गया। इसे उगते सूरज के लाल रंग से भी जोड़ा जाता है जहां नया सवेरा होता हुआ दिखाई देता है। आजादी की लड़ाई में जब खान अब्दुल गफ्फार खान ने लाल कुर्ती आंदोलन यानी खुदाई खिदमतगार आंदोलन चलाया तो उससे अंग्रेज सरकार कांप गई। वह आंदोलन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उसी तरह से समर्थन कर रहा था जैसे समाजवादियों का आंदोलन कर रहा था। इस आंदोलन का भयानक दमन किया गया और सैकड़ों कार्यकर्ता शहीद हुए। लाल कुर्ती वालों ने भारत के विभाजन का विरोध भी किया था।

आज समाजवादी पार्टी के झंडे में लाल रंग मजदूरों के संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है तो हरा रंग किसानों के संघर्ष का। दोनों के समन्वय से समाजवादी नई व्यवस्था के निर्माण का संकल्प व्यक्त करते हैं। इसके विपरीत लाल टोपी का मजाक उड़ाने वाले और उसे खतरे का निशान बनाते वाले संघ परिवार के लोगों

अगर उन्हें लाल टोपी से चिढ़ है तो फिर वे उदार कैसे हुए। दरअसल उनकी आदत कभी टोपी को लेकर कभी कपड़ों को लेकर टिप्पणी करने और अपने को सभ्य बताने और दूसरों को असभ्य बताने की है

की टोपी का इतिहास बलिदान की बजाय दूसरों के दमन, नफरत और तानाशाही पर आधारित है। अपनी स्थापना के समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के लोग कांग्रेस के कार्यक्रम से प्रेरित होकर खाकी टोपी लगाते थे। चूंकि वे भारत का सैन्यकरण चाहते थे इसलिए किसी और प्रतीक की तलाश में थे। जब उनके नेता डा बी.एस. मुंजे ने इटली का दौरा किया तो वे मुसोलिनी और उनकी फासीवादी व्यवस्था से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने वहां के बलिल्ला और अवागार्डिश संगठनों को देखा और उनके प्रतीक चिह्नों और जज्बे को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के भीतर शामिल करने का संकल्प लिया। उसके बाद 1930 में उनकी और गोलवलकर की सलाह से संघ के लोगों ने काली टोपी पहनना शुरू कर दिया।

जो लोग दावा करते हैं कि भगवा झंडा उदारता और विकास का प्रतीक है उन्हें अपनी मानसिकता को विकसित करने की जरूरत है। किसी भी पार्टी के प्रतीक चिह्नों पर आपत्ति करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं बनता। अगर उन्हें समाजवादी पार्टी की लाल टोपी से चिढ़ है तो फिर वे उदार कैसे हुए। दरअसल उनकी आदत कभी टोपी को लेकर कभी कपड़ों को लेकर टिप्पणी करने और अपने को सभ्य बताने और दूसरों को असभ्य बताने की है।

इस तरह वे समाज में दूसरे विचारों और जीवन शैली के प्रति नफरत पैदा करते हैं और अपने को उदार बताते हैं। यह वास्तव में एक प्रकार को दोगलापन है जो भाजपा के भीतर और उसके नेताओं में बहुत साफ तौर पर देखा जा सकता है। जब देश में सीएए और एनआरसी विरोधी आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कौन लोग आंदोलन कर रहे हैं, उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जाना चाहिए।

यह साफ तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी थी और देश की विविधता पर कुठाराघात है। इसी तरह की टिप्पणी योगी आदित्यनाथ भी करते रहते हैं जब वे मुलायम सिंह यादव को अब्बाजान कह कर संबोधित करते हैं।

यह भाजपा और उसके नेताओं का गजब का पाखंड है कि एक ओर तो वे डा राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण की विरासत और विशेष कर उनकी गैर कांग्रेसवाद की रणनीति पर अपनी दावेदारी करने से नहीं चूकते और दूसरी ओर उनकी टोपी उनके झंडे, उनकी धर्मनिरपेक्षता और उनके समाजवाद को नष्ट करने के प्रयासों से बाज नहीं आते।

इतिहास गवाह है कि जिस संघ परिवार के लोगों ने आजादी के आंदोलन में अग्रेंजों की खैरख्वाही की और संघर्ष छोड़कर सहयोग करने लगे उन्होंने आजाद भारत में डा. राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण की उंगली पकड़कर लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ना सीखा। उसी से वे राजनीतिक मुख्यधारा में लौट सके। उसी का असर था कि जब 1980 में भारतीय जनता पार्टी की गठन हुआ तो अटल बिहारी वाजपेयी ने उसका लक्ष्य गांधीवादी समाजवाद रखा।

आज उसी भारतीय जनता पार्टी के नेता व सांसद डा सुब्रमण्यम स्वामी ने संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। उसी पार्टी के केरल के सांसद केजे अलफांस ने राज्यसभा में एक निजी विधेयक पेश किया है जिसमें उन्होंने संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद शब्द निकालने का प्रस्ताव रखा है। यह दरअसल मीठा मीठा गप और कड़वा कड़वा थू करने की उपयोगितावादी सोच है जिस पर भाजपा और उसके नेता चल रहे हैं।

भाजपा चाहती है कि वह सारे धार्मिक राजनीतिक प्रतीकों का जब चाहे जहां चाहे जैसा इस्तेमाल करे। वह चाहे उससे नफरत फैलाए या वोट बैंक तैयार करे। लेकिन जैसे ही कोई दूसरा उसका नेक इरादों से इस्तेमाल करने लगे तो उसका मजाक उड़ाए और उसे गुंडा और मवाली बताने लगे। यही काम उसने हाल में किसान आंदोलन के दौरान भी किया। कोरोना काल में आंदोलन के साथ साथ समाज सेवा में जुटे सिख समुदाय को बदनाम करने के लिए उसने उन्हें खालिस्तानी और मवाली तक कहा। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत को डकैत कहा। आज उस पार्टी के सर्वोच्च नेता ने देश से माफी मांगते हुए तीनों कृषि कानून वापस ले लिया है।

भाजपा ने इस देश के संघर्ष, बलिदान और उच्च आदर्शों के प्रतीक चिह्नों को दूषित किया है। आरंभ में संघ को तिरंगे से आपत्ति थी। आज भी वह मन ही मन तिरंगे की जगह पर लाल किले पर भगवा फहराने का सपना देख रहा है। आज आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर आजादी की शानदार विरासत के वाहक समाजवादियों और लाल टोपी जैसे उनके प्रतीक चिह्नों का अपमान भारत के स्वाधीनता संग्राम का अपमान है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं उन्हें न तो इतिहास माफ करेगा और न ही आगामी चुनाव में प्रदेश की जनता।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

लाल टोपी का साथ पसंद है

सपा का बढ़ता कारवां

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की नीतियों और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व से प्रेरित होकर विभिन्न दलों के प्रमुख नेताओं के सपा में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है।

बड़ी संख्या में बसपा, भाजपा, आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ एवं प्रमुख नेता समाजवादी पार्टी में अपने हजारों समर्थकों के साथ शामिल हुए और समाजवादी लाल टोपी पहनी। बुन्देलखंड इंसाफ सेना, निषाद सेना एवं मान्यवर कांशीराम सर्वसमाज सेना ने समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया।

बसपा के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद के पूर्व सभापति श्री गणेश शंकर पाण्डेय के साथ 12 दिसंबर को बसपा छोड़कर पूर्व सांसद श्री भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कौशल तिवारी, विधायक चिल्लूपार गोरखपुर श्री विनय शंकर तिवारी, ब्लाक प्रमुख लक्ष्मीपुर गोरखपुर श्री संतोष पाण्डेय, बसपा के पूर्व प्रत्याशी श्री संजय दीक्षित, फतेहपुर सदर से पूर्व प्रत्याशी बसपा श्री समीर त्रिवेदी, गोण्डा कर्नैलगंज के पूर्व बसपा प्रत्याशी श्री संतोष तिवारी सहित बसपा के कई पदाधिकारी, कई पूर्व प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य तथा प्रधान भी समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए।

खलीलाबाद के भाजपा विधायक श्री जय

बड़ी संख्या में बसपा, भाजपा, आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ एवं प्रमुख नेता समाजवादी पार्टी में अपने हजारों समर्थकों के साथ शामिल हुए और समाजवादी लाल टोपी पहनी

चौबे, श्री अजय दूबे, विक्रम दुबे, इटावा के पूर्व जिला मंत्री श्री शिव कुमार निषाद भी अपने तमाम साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व विधायक कुशीनगर श्री आनन्द शर्मा, श्री शिवेन्द्र पाण्डेय अधिवक्ता, आम आदमी पार्टी बरेली के जिला सचिव श्री शिव औतार शर्मा, श्री योगेन्द्र शर्मा अध्यक्ष फोनरवा गौतमबुद्धनगर भी सपा में शामिल हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य श्री जलालुद्दीन सिद्दीकी ने भी कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। मूलचरन निषाद बसपा छोड़कर सपा में शामिल हुए। श्री आनन्द निषाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निषाद सेना, श्री ए.एस. नोमानी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बुन्देलखंड इंसाफ सेना

आ रहे हैं
22 में बाइसिकल

बांदा तथा मान्यवर कांशीराम सर्व समाज सेना गाजियाबाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बोबी अन्ना ने समाजवादी पार्टी में विलय की घोषणा की। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी द्वारा किन्नर पायल को समाजवादी किन्नर सभा उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नामित किया गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने नए साथियों के आने का स्वागत करते हुए कहा कि जनता ने भाजपा के सफाये का मन बना लिया है। समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले तमाम नेताओं ने संकल्प लिया कि वे विधानसभा चुनाव 2022 में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी को बहुमत दिलाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

13 दिसंबर को कौशाम्बी जनपद के श्री ऊदल पाण्डेय भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए जबकि इसी जनपद के विधानसभा क्षेत्र सिराथू से सर्वश्री पी.पी. चौरसिया, नेपाली पंडा, शाहिद अहमद घोसी, अकील अहमद घोसी, कयामुल हक तथा मोहम्मद हनीफ बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं।

श्री जावेद इकबाल ने 16 दिसंबर को बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से बलिया के पूर्व भाजपा विधायक श्री राम इकबाल सिंह ने भेंट कर समाजवादी पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए आज समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। श्री राम इकबाल सिंह चिलकहर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। अपने दर्जनों साथियों के साथ वे समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

श्री सैय्यद कमर हैदर (मेजर साहब) निवासी सरफराजगंज, हरदोई रोड तथा श्री मोहम्मद अत्तर रजा (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) हल्दौर डुमरियागंज भी सपा में शामिल हुए। वहीं 20 दिसंबर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल और पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0ॅराजपाल कश्यप की उपस्थिति में निषाद पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले तमाम नेताओं ने संकल्प लिया कि वे विधानसभा चुनाव 2022 में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी को बहुमत दिलाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

सदस्यता ग्रहण करने वालों में निषाद पार्टी के प्रदेश सचिवगण सर्वश्री कन्हैया लाल निषाद, हरिनारायण निषाद, प्रान्तीय अध्यक्ष दीपू निषाद, मण्डल अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश निषाद, प्रदेश सचिव हरि प्रसाद साहनी, अजय निषाद जिला उपाध्यक्ष, महेन्द्र निषाद, राम बहादुर निषाद, रामनैन निषाद, राम अचल निषाद, शिव प्रसाद निषाद, सुरजीत निषाद, श्याम लाल निषाद, मनोज निषाद, कृष्णा निषाद, पिन्टू कुमार, मुकेश कुमार, दीपक निषाद, मृत्युंजय कश्यप सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

25 दिसंबर को प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने निषाद सेना, भारतीय मानव समाज पार्टी तथा बसपा के कई पदाधिकारियों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई।

निषाद सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आनन्द निषाद अम्बेडकरनगर, राष्ट्रीय महासचिव श्री गुलाब चंद्र मिश्रा आजमगढ़, राष्ट्रीय सदस्य श्री सौरभ पाण्डेय बस्ती, मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय सलाहकार सर्वश्री विमल कुमार बिंद चंदौसी के साथ श्री राम नगीना बिन्द, रामबली बिंद के अतिरिक्त प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के सलाहकार श्री सौदागर बिंद, सैय्यदराजा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार सिंह, सीरी बिंद महासचिव ज्ञानचंद बिंद, जोखू राम को आज समाजवादी पार्टी में शामिल किया गया।

चंदौली बसपा के पूर्व जिला प्रभारी श्री गुल्लू गौतम के साथ सर्वश्री संजय यादव, अमित राम, रविदास राम, प्रवीण सिंह पटेल एवं सुनील कुमार आदि ने भी बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा की साजिशों से सावधान रहें कार्यकर्ता

- अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करने की साजिशों से सावधान किया है। श्री यादव ने कहा है कि भाजपा का चरित्र अलोकतांत्रिक है और सत्ता की भूख में वह किसी भी स्तर पर जा सकती है। पंचायत के चुनावों में उसका आचरण तानाशाही का रहा है। भाजपा ने उसमें महिलाओं का चीरहरण जैसा जघन्य काम किया।

श्री यादव ने यह बातें 11 दिसंबर 2021 को समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों, महानगर अध्यक्षों एवं 403 विधानसभा क्षेत्र के

भाजपा का चरित्र अलोकतांत्रिक है और सत्ता की भूख में वह किसी भी स्तर पर जा सकती है। पंचायत के चुनावों में उसका आचरण तानाशाही का रहा है। भाजपा ने उसमें महिलाओं का चीरहरण जैसा जघन्य काम किया। भाजपा विकास के मुद्दे पर चुनाव नहीं लड़ेगी। भाजपा की तैयारी षड़यंत्र से भरी हुई है। इसलिए बूथ स्तर तक सतर्कता बरतनी चाहिए

अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की। बैठक में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी तथा बूथ कमेटी की सक्रियता के बारे में भी चर्चा की गई।

अपने संबोधन में श्री यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के लिए खतरा है। भाजपा ने अपने शासनकाल में एक भी जनहित का काम नहीं किया। समाज का हर वर्ग आक्रोशित है। लोग अब भाजपा सरकार को और ज्यादा बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। वे भाजपा से छुटकारा पाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी ने जनहित के जितने काम किए उससे सभी प्रभावित हैं और वे उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार चाहते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने याद दिलाया कि समाजवादी सरकार में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की शुरुआत हुई, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बना, बुन्देलखंड में राहत की कई योजनाएं चलाई, लखनऊ में मेट्रो चली, अंतर्राष्ट्रीय स्तर का इकाना स्टेडियम बनाया, सरयू-राप्ती योजना का 80 प्रतिशत कार्य समाजवादी सरकार में हो चुका था। इसे पूरा कराने में भाजपा ने 5 साल लगा दिए। भाजपा की आदत केवल उद्घाटन का उद्घाटन और शिलान्यास का शिलान्यास करने की है। समाजवादी सरकार के समय ही जगदीशपुर से हल्दिया तक गैस पाइप लाइन बिछा दी गई थी तभी फर्टिलाइजर कारखाना गोरखपुर में चल पाया। एम्स की जमीन भी समाजवादी सरकार ने दी थी।

श्री यादव ने कहा कि दुनिया में मूलतः दो तरह के लोग होते हैं कुछ वो जो सच में

काम करते हैं और कुछ वो जो दूसरों का काम अपने नाम करते हैं। सपा की काम करने वाली सरकार में और आज की 'कैंचीजीवी' सरकार में ये फर्क साफ हैं। इसीलिए बाइस के चुनाव में भाजपा पूरी तरह साफ होने वाली है। जो संकेत है भाजपा विकास के मुद्दे पर चुनाव नहीं लड़ेगी क्योंकि उसकी स्लेट इस मामले में साफ है। भाजपा की तैयारी षड़यंत्र से भरी हुई है। इसलिए बूथ स्तर तक सतर्कता बरतनी चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादियों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी संविधान को बचाने की है। समाजवादियों और अम्बेडकरवादियों को अब इसमें अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना है।

समाजवादियों और अंबेडकरवादियों को अब इसमें अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। यह चुनाव देश को बचाने का है। जनहित के विकास कार्यों के लिए समाजवादी पार्टी की प्रतिबद्धता है

यह चुनाव देश को बचाने का है। जनहित के विकास कार्यों के लिए समाजवादी पार्टी की प्रतिबद्धता है। जनता भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी तभी प्रदेश में खुशहाली आएगी। भाजपा की इस बार ऐतिहासिक हार होगी।

बैठक के अंत में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत सहित सभी शहीदों के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री रावत का शौर्यपूर्ण जीवन था। देश अपने अमर जवानों को सदैव याद करेगा। सभी ने दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रार्थना की।

फोटो स्रोत : गूगल

निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करे निर्वाचन आयोग

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग को 21 दिसंबर को भेजे गए पत्र में मांग की है कि उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराए जाएं।

समाजवादी पार्टी ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 21 दिसंबर को प्रयागराज में हुई जनसभा में जबरन भीड़ जुटाने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की हजारों बसों से लोगों को सभा स्थल तक पहुंचाया गया। इसके पहले भी प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ब्लाक स्तर पर परिवहन निगम की बसों को लगा दिया गया तथा लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया गया।

प्रधानमंत्री की सभा में जबरन भीड़ एकत्रित करने के लिए प्रदेश भाजपा सरकार ने सरकारी खजाने से गरीब जनता के करोड़ों रुपयों का दुरूपयोग किया है। प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश से भाजपा के सांसद हैं और आगामी विधान सभा निर्वाचन 2022 निकट है, प्रधानमंत्री भाजपा के चुनाव की तैयारी के लिए लगातार उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम कर रहे हैं और प्रदेश के मुख्यमंत्री सरकारी तंत्र और धन का दुरूपयोग कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार चुनाव प्रभावित करने के लिए षड्यंत्र रच रही है। उसके मंत्री-विधायक, नेता, कार्यकर्ता निर्वाचन आयोग की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि ऐसी आशा है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग तत्काल अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा।

इससे पहले 6 दिसंबर को लिखे पत्र में श्री नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग से मांग की कि उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराएं जाएं।

श्री पटेल ने पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार चुनाव प्रभावित करने के लिए षड़यंत्र रच रही है। उसके मंत्री-विधायक, नेता, कार्यकर्ता निर्वाचन आयोग की धज्जियां उड़ा रहे है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है।

श्री पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की आजमगढ़ जनपद में लालगंज तथा सदर लोकसभा क्षेत्र की सभाओं में भीड़ जुटाने के लिए आजमगढ़ परिवहन निगम की बसों से लोगों को सभा स्थल तक पहुंचाया गया, जिसके कारण सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हुई, तथा गैर सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय के वाहनों को जबरन भीड़ जुटाने में लगाया गया।

प्रदेश में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, भाजपा के लोग आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारी में लगे है, और सरकारी धन तथा मशीनरी का दुरूपयोग कर रहे हैं।

समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प

व्यापारी महाकुम्भ

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की गलत नीतियों के चलते देश में महंगाई बढ़ी है। किसान-नौजवान परेशान है, व्यापार धंधा चौट हो गया है, देश में सब कुछ बेचा जा रहा है। इतना दुःख और तकलीफ लोगों को किसी सरकार में नहीं मिला। अब पूरे प्रदेश में बदलाव का माहौल दिख रहा है। व्यापारी का कारोबार में व्यापक जनसम्पर्क होता है, उसने मन बना लिया और ठान लिया तो भाजपा सरकार का अता-पता नहीं चलेगा।

श्री अखिलेश यादव 5 दिसंबर को गोमतीनगर लखनऊ स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में समाजवादी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'व्यापारी महाकुम्भ' को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी द्वारा स्थापित समाजवादी विचारधारा एवं पार्टी के संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में श्री अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प भी

व्यापारी समाज ने लिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की कुनीतियों की चलते व्यापारियों की जेब खाली हो गई है। भाजपा राज में किसान आंदोलित है, कमाई आधी हो गई है, महंगाई दूनी हो गई है, ऐसे में परिवार कैसे खुशहाल रह सकता है। भाजपा ने नोटबंदी की, कालाधन नहीं आया किन्तु भ्रष्टाचार डबल हो गया है। लॉकडाउन के दौरान कारखाने बंद हो गए हैं।

श्री यादव ने कहा भाजपा व्यापारियों की पार्टी नहीं है, वह होती तो व्यापार खत्म नहीं करते। लॉकडाउन में तमाम उद्योग धंधे बंद हो गए। दुनिया भर में व्यापारियों की मदद हुई, इस देश में भाजपा सरकार ने कोई मदद की। व्यापार चौपट होने से व्यापारियों ने आत्महत्याएं कर ली। जिनका कारोबार बंद हो गया, दुबारा नहीं शुरू हो पाया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने ऐसे फैंसले लिए हैं जिनसे देश का कारोबार खत्म हो गया है। बड़े-बड़े व्यापारियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आज दुनिया की सबसे बड़ी कम्पनी अमेजान पर कंडे बिक रहे है। अभी डीजल- पेट्रोल के दाम बढ़े हैं, कपड़े, जूते पर जीएसटी लग गया है। ट्रांसपोर्ट का कारोबार पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

श्री यादव ने कहा कि देश को विश्वगुरू बनाने की बात करते हैं, लेकिन आज गुरु-शिष्य पिट रहे है। यूपी में व्यापारियों की हत्या हो रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय गर्ग तथा संचालन श्री अभिमन्यु गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, रविदास मेहरोत्रा तथा पवन मनोचा शामिल रहे। श्री अखिलेश यादव को व्यापारी समाज ने महाराजा अग्रसेन की व्यवस्था के अंतर्गत एक ईंट, एक सिक्का भी भेंट किया। श्री संजय गर्ग ने कहा व्यापारी बड़ी उम्मीदों के साथ श्री अखिलेश यादव की ओर देख रहे हैं। भाजपा की कुनीतियों से परेशान जनता वर्ष 2020 में 11716 व्यापारियों और 6600 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। व्यापारियों की दुकानें अयोध्या में गिरा दी गई। भाजपा संवेदनहीन है। व्यापारी राजनीति के क्षितिज पर अखिलेश जी के रूप में एक नया सूर्योदय देखते हैं।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh · 07 Dec

भाजपा के लिए 'रेड एलर्ट' है महंगाई का; बेरोज़गारी-बेकारी का; किसान-मज़दूर की बदहाली का; हाथरस, लखीमपुर, महिला व युवा उत्पीड़न का; बर्बाद शिक्षा, व्यापार व स्वास्थ्य का और 'लाल टोपी' का क्योंकि वो ही इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी।

लाल का इंक़लाब होगा
बाइस में बदलाव होगा!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कुछ लोगों को दूरबीन की नहीं आईने की ज़रूरत होती है...

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा सरकार की उप्र में अनुपयोगी होने की क्रॉनॉलॉजी:

उप्र हुआ नम्बर वन जैसा:

- किसानों की आत्महत्या और हत्या में
- खाद की बोरी की चोरी में
- चंदा चोरी में
- पेपर लीक कराके बेरोज़गारी बढ़ाने में
- कस्टोडियल डेथ में
- माफ़िया संरक्षण में
- समाज को बाँटने में

#भाजपा_ख़त्म

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

टीईटी परीक्षा का पेपर बीयर के एक गोदाम के पते पर छपना 'गोपनीय छपाई' का बड़ा घोटाला है।

भाजपा सरकार में तो यूँ ही हर बार पेपर 'लीक' होगा इसीलिए 2022 में बेरोज़गार सपा की सरकार बना रहे हैं क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा है कि सपा के आने से ही सब कुछ फिर से 'ठीक' होगा।

#भाजपा_ख़त्म

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र की बालिकाओं, युवतियों और महिलाओं के लिए सपा की सरकार ने लैपटॉप, कन्याविद्या धन, 1090 और एम्बुलेंस प्रदान कर 'नारी सशक्तीकरण' का सच्चा काम किया था.

दिक़्क़त, क़िल्लत व ज़िल्लत ने महिलाओं को भाजपा के ख़िलाफ़ कर दिया है।

उप्र की नारी भाजपा पर पड़ेगी भारी

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की क्रोनोलॉजी:

- सपा सरकार में करोड़ों का आवंटन हुआ
- सपा सरकार में कॉरिडोर हेतु भवनों का अधिग्रहण शुरू हुआ
- मंदिरकर्मियों के लिए मानदेय तय किया गया

'पैदलजीवी' बताएं कि सपा सरकार के वरुणा नदी के स्वच्छता अभियान को क्यों रोका और मेट्रो का क्या हुआ।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh · 06 Dec

"मुझे वह धर्म पसंद है जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सिखाता है।"

भारतीय संविधान के निर्माता माननीय बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि।

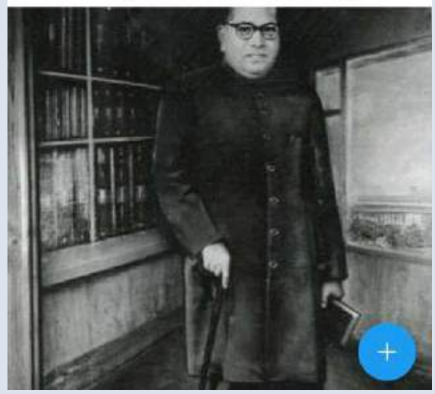

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh · 6d

ये है समाजवादी पार्टी के समय प्रतिभा के सम्मान और विकास के लिए दिये गये लैपटॉप से सशक्त हुई यूपी की आधुनिक युवा शक्ति, जिन्होंने सपा की सरकार के साथ ही अपना भविष्य बनाने का संकल्प लिया है।

जौनपुर में 'समाजवादी विजय यात्रा' का दूसरा दिन भी इतिहास रच रहा है।

#बाइस_में_बाइसिकल

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह जी के बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

तुलसीदास जी कह गये हैं ;
" हित अनहित पशु पक्षी हु जाना।"

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh · 04 Dec

भाजपा के राज में भावी शिक्षकों पर लाठीचार्ज करके 'विश्व गुरु' बनने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है।

हम 69000 शिक्षक भर्ती की माँगों के साथ हैं।

युवा कहे आज का – नहीं चाहिए भाजपा

#भाजपा_ख़त्म

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये जो आज हाथ ऊपर उठाकर मुस्कुरा रहे हैं... दरअसल वो सपा के समय दिये गये लैपटॉप की वजह से आज अपने पैरों पर खड़े हैं।

#सपा_का_काम_जनता_के_नाम

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

दुनिया में मूलतः दो तरह के लोग होते हैं कुछ वो जो सच में काम करते हैं और कुछ वो जो दूसरों का काम अपने नाम करते हैं...सपा की काम करनेवाली सरकार में और आज की 'कैंचीजीवी' सरकार में ये फ़र्क़ साफ़ है... इसीलिए बाइस के चुनाव में भाजपा पूरी तरह होने वाली साफ़ है।

#सपा_का_काम_जनता_के_नाम

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

नीति आयोग के गरीबी पर आये रिज़ल्ट कार्ड में उप्र की भाजपा सरकार के राज में यूपी ने तीसरे सबसे ग़रीब राज्य होने का शर्मनाक कीर्तिमान बनाया है।

उप्र को ग़रीबी में ढकेलनेवाले क्या किसी की आय दुगुनी करेंगे।

यही नारा आज का
नहीं चाहिए भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh · 4d

समाज में सबके भले के लिए कार्य करना, भेदभावहीन समानता एवं साम्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहना ये वो मूल सिद्धांत हैं जो रामराज्य व समाजवाद में पाये जाते हैं। रामराज्य का पर्याय ही समाजवाद है।

रामराज्य में अभयत्व की स्थापना की जाती है, पीछे से वार नहीं किया जाता है।

#भाजपा_ख़त्म

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जनरल बिपिन रावत जी एवं श्रीमती मधुलिका रावत जी को भावभीनी श्रद्धांजलि!

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 64 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17